Self Respect

06-09-2014

- ✓तुम जानते हो कैसे बाप राजयोग सिखलाते हैं । फिर 5 हजार वर्ष बाद आकर ऐसे ही कहेंगे-मीठे-मीठे रूहानी बच्चों, ऐसे कभी भी कोई मनुष्य, मनुष्य को कह न सकें । न देवतायें, देवताओं को कह सकते हैं ।

- ✓तुमको यहाँ बैठे दिल अन्दर बड़ी खुशी होनी चाहिए । हम हेविन की स्थापना कर रहे हैं ।

- ✓भारत का राजयोग मशहूर है । बहुत सीखना चाहते हैं परन्तु जब तुम सिखलाओ । और तो कोई सिखला न सके । जैसे महर्षि था, कितनी मेहनत करता था योग सिखलाने के लिए । परन्तु दुनिया थोड़ेही जानती कि यह हठयोगी राजयोग कैसे सिखलायेंगे ।

- ✓अभी तुम समझते हो तुम्हारे सिवाए बाप को सुप्रीम बाप, सुप्रीम टीचर, सुप्रीम सतगुरू और कोई समझते नहीं ।

- ✓राजाएं, प्रजा अभी सब बनने हैं । तुम आधाकल्प के लिए बाप से वर्सा लेते हो । बाकी मोक्ष तो कोई को मिलता नहीं ।

- ✓बाप कहते हैं - यह शास्त्र आदि सब भक्ति मार्ग की सामग्री है । तुम बच्चे सम्मुख सुनते हो । गर्म-गर्म हलुआ खाते हो । सबसे जास्ती गर्म हलुआ कौन खाते हैं? (ब्रह्मा) यह तो बिल्कुल उनके बाजू में बैठे हैं ।

- ✓तुम अभी बहुत अक्लमंद बनते हो । आत्मा पवित्र होने से फिर शरीर भी पवित्र मिलता है । आत्मा कितना चमत्कारी हो जाती है ।

✓बाप कहते हैं मैं आता ही तब हूँ जबकि संगम है । तुम ही देवी- देवता थे । यह जानते हो जब इनका राज्य था तब और कोई धर्म नहीं था ।

✓अच्छा । मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।

✓वरदान: बाप के फरमान पर बुद्धि को खाली रखने वाले व्यर्थ वा विकारी स्वप्नों से भी मुक्त भव !